682

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MASL-201

काव्य शास्त्र

एम0ए0 संस्कृत (एम0ए0एस0एल0–12 / 16 / 17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2021 (Winter)

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

P.T.O.

Q.1. काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा का वर्णन करते हुए काव्यशास्त्रीय परम्परा में आचार्य मम्मट के अवदान की समीक्षा कीजिये।

Q.2. विभिन्न आचार्यों के मतानुसार काव्य–हेतु की विस्तृत विवेचना कीजिये।

Q.3. शब्द–शक्तियों का स्वरूप स्पष्ट कीजिये।

Q.4. रसोत्पत्तिवाद पर विस्तृत निबन्ध लिखिये।

Q.5. अंलकार का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अंलकारों के क्रमिक विकास का प्रतिपादन कीजिये।

खण्ड– ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. सोदाहरण विभावना अलंकार का लक्षण लिखिये।

Q.2. उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण सहित स्वरूप स्पष्ट कीजिये।

Q.3. आचार्य दण्डी का जीवन परिचय प्रस्तुत कीजिये।

Q.4. काव्य के प्रयोजनों का वर्णन कीजिये।

Q.5. आचार्य आनन्दवर्धन का जीवनवृत्त प्रस्तुत कीजिये।

Q.6. आचार्य वामन के व्यक्तित्त्व तथा कृतित्व का वर्णन कीजिए।

Q.7. करूण तथा वीर रसों का सोदाहरण परिचय लिखिये।

Q.8. अलंकारों के संख्यात्मक विवेचन पर सारगर्भित टिप्पणी लिखिये।

———————————